नईदुनिया

कई पुलों, बिजली-पानी की आपूर्ति और रेलवे को नुकसान

रूस ने यूक्रेन पर 510 से अधिक ड्रोन-मिसाइलें दागीं, कीव और लवीव में आठ लोगों की मौत



कीव, एजेंसीः क्रीमिया पुल पर यूक्रेन के लगातार हमलों के बाद रूस ने गुरुवार रात जवाबी कार्रवाई करते हुए यूक्रेन पर 400 से अधिक ड्रोन और 110 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। इस हमले में आठ लोगों की मौत हो गई। राजधानी कीव और पश्चिमी शहर लवीव सहित कई इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इसे युद्ध के सबसे बड़े हमलों में से एक बताया है। जेलेंस्की के अनुसार, रूस ने हमले में 27 बैलिस्टिक मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया। हमलों में कई पुलों, बिजली-पानी की आपूर्ति और रेलवे व्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन के प्रधानमंत्री सेर्गी कोरेत्स्की ने बताया कि मृतकों में छह लोग राजधानी कीव के और दो पश्चिमी शहर लवीव के रेलवे स्टेशन पर मारे गए। रातभर हुए विस्फोटों के दौरान जान बचाने के लिए लोगों ने मेट्रो स्टेशनों में शरण ली। रूस ने निप्रो नदी पर बने कीव के तीन पुलों को भी निशाना बनाया। सरकार ने लोगों से कार से काम पर जाने से बचने की अपील की है।

हमलों के बीच 20 से 30 मिनट का अंतर

जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूसी सेना ने अधिकतम नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से हमले की योजना बनाई थी। उनके मुताबिक, रूस ने क्लस्टर वारहेड वाली मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया। इनमें एक बड़े बम से कई छोटे बम निकलकर बड़े क्षेत्र में तबाही मचा सकते हैं। उन्होंने बताया कि रूसी सेना ने सभी मिसाइलें एक साथ दागने के बजाय कई समूहों में छोड़ीं। प्रत्येक हमले के बीच 20 से 30 मिनट का अंतर रखा गया। इससे राहत और बचाव दलों को आग बुझाने, मलबा हटाने तथा बिजली-पानी की सेवाएं बहाल करने में कठिनाई हुई।

इस सप्ताह तीसरी बार निशाना बना क्रीमिया पुल

रूस का यह हमला क्रीमिया पुल पर यूक्रेन के हमले के बाद हुआ है। यह पुल क्रीमिया को रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र से जोड़ता है। सड़क और रेल परिवहन के लिए इस्तेमाल होने वाले इस पुल को यूक्रेन ने इस सप्ताह तीसरी बार निशाना बनाया था। रूस के लिए यह सैन्य आपूर्ति का महत्वपूर्ण मार्ग माना जाता है। इसके जरिए दक्षिणी क्षेत्रों में तैनात रूसी सैनिकों तक ईंधन, गोला-बारूद और सैन्य उपकरण पहुंचाए जाते हैं। करीब 3.6 अरब डॉलर की लागत से बना यह पुल क्रीमिया पर रूस के कब्जे के बाद तैयार किया गया था। यूक्रेन इसे रूसी कब्जे का प्रतीक मानता है। इससे पहले 2022 में ट्रक में बम रखकर और 2023 में समुद्री ड्रोन के जरिए इस पुल पर हमले किए गए थे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को क्रीमिया पुल पर हमले पर नाराजगी जताते हुए इसका दर्दनाक जवाब देने की चेतावनी दी थी। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन ने अपने पुलों और अन्य सुविधाओं पर रूसी हमलों के जवाब में क्रीमिया पुल को निशाना बनाया था।

इंडोनेशिया में 53 बच्चों से मारपीट के मामले में केंद्र की पूर्व प्राचार्य को पांच साल की जेल

बच्चों के हाथ-पैर कपड़े से बांधकर रखते थे कर्मचारी, अदालत ने लगाया 51 करोड़ रुपिया का जुर्माना



जकार्ता, एजेंसीः इंडोनेशिया के योग्याकार्ता शहर स्थित लिटिल अरेशा बाल देखभाल केंद्र में 53 बच्चों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार के मामले में अदालत ने केंद्र की पूर्व प्राचार्य अनीता पालुपी इंदाहसारी को पांच साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर 51 करोड़ इंडोनेशियाई रुपिया का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं चुकाने पर उनकी संपत्ति जब्त कर नीलाम की जाएगी। जिला अदालत के न्यायाधीश सुनारयांतो ने गुरुवार, 19 नवंबर को सुनाए फैसले में कहा कि अनीता ने बच्चों की देखभाल में लापरवाही बरती, बिना अनुमति केंद्र संचालित किया और बच्चों के साथ हो रही हिंसा को रोकने में विफल रहीं। इस मामले का खुलासा अप्रैल में हुआ था। केंद्र के एक पूर्व कर्मचारी की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की। इस दौरान सामने आए निगरानी कैमरों के दृश्य में छोटे बच्चे केवल नैपी पहने फर्श पर लेटे दिखाई दिए। उनके हाथ-पैर कपड़ों से बंधे हुए थे। पुलिस के अनुसार, केंद्र में मौजूद 103 बच्चों में से 53 के साथ दुर्व्यवहार किया गया था।

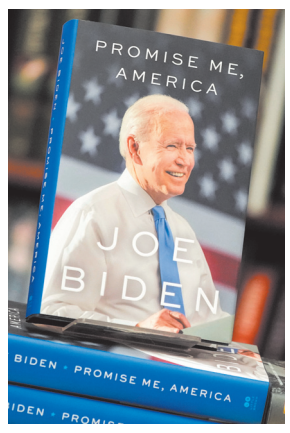
जांच में पता चला कि करीब 20 बच्चों को तीन मीटर लंबे और तीन मीटर चौड़े कमरे में एक साथ रखा जाता था। पुलिस प्रमुख ईवा गुना पांडिया के मुताबिक, पूछताछ में कर्मचारियों ने बच्चों के हाथ-पैर बांधने की बात स्वीकार की थी। उनका कहना था कि बच्चों को एक-दूसरे को परेशान करने से रोकने के लिए ऐसा किया जाता था। कर्मचारियों ने केंद्र में कर्मचारियों की कमी को भी इसकी वजह बताया था।

परिवारों ने सजा को बताया कमः सरकारी वकीलों ने अनीता के लिए 10 साल कैद की मांग की थी। फैसले से पीड़ित बच्चों के परिवार संतुष्ट नहीं हैं। एक बच्चे की मां त्रि सुसिलावती ने कहा कि बच्चों के साथ हुए व्यवहार की तुलना में सजा बहुत कम है। उन्होंने फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करने की मांग की। केंद्र संचालित करने वाले लिटिल अरेशा फाउंडेशन की प्रमुख दिया कुसुमस्तुति को पहले ही 10 साल कैद की सजा सुनाई जा चुकी है। वहीं, केंद्र की 11 महिला कर्मचारियों को अक्टूबर में दो से तीन साल तक की सजा मिली थी। घटना के बाद केंद्र बंद कर दिया गया और देशभर में बाल देखभाल केंद्रों की जांच शुरू की गई। अधिकारियों के अनुसार, इंडोनेशिया में कई केंद्र आवश्यक अनुमति के बिना संचालित हो रहे हैं।

एक ही पटरी पर आमने-सामने आईं तीन रेलगाड़ियां, टला बड़ा हादसा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः पश्चिम बंगाल में शुक्रवार को एक ही रेल पटरी पर तीन रेलगाड़ियों के आमने-सामने आ जाने से बड़ा हादसा टल गया। घटना हावड़ा के पास दास स्टेशन की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब तीन बजे एक ही पटरी पर तीन रेलगाड़ियां पहुंच गईं। इस घटना का दृश्य सामने आने के बाद रेल परिचालन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठे हैं। घटना के समय रेलगाड़ियों में यात्री सवार थे। एक यात्री ने अपने मोबाइल से इस पूरी घटना का दृश्य बना लिया, जो बाद में सामने आया। दृश्य में एक ही पटरी पर तीन रेलगाड़ियों की मौजूदगी दिखाई दे रही है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी में यह स्पष्ट नहीं है कि तीनों रेलगाड़ियां किस कारण एक ही पटरी पर पहुंचीं और उनके बीच कितनी दूरी थी। घटना के बाद किसी के हताहत होने या घायल होने की जानकारी भी सामने नहीं आई है।

बाइडेन की किताब में 200 बार ट्रम्प का जिक्र संसद पर हमले के लिए ठहराया जिम्मेदार



वाशिंगटन, एजेंसीः अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी नई पुस्तक 'प्रॉमिस मी, अमेरिका' में मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का करीब 200 बार उल्लेख किया है। 17 नवंबर को प्रकाशित इस पुस्तक में बाइडेन ने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल, 2020 और 2024 के चुनावों तथा ट्रम्प के साथ अपने संबंधों के बारे में लिखा है। उन्होंने ट्रम्प को छह जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन पर हुए हमले के लिए जिम्मेदार ठहराया है। बाइडेन ने पुस्तक में आरोप लगाया कि चुनाव हारने के बाद भी ट्रम्प सत्ता में बने रहना चाहते थे और उन्होंने इसके लिए विद्रोह कराया। बाइडेन के अनुसार, संसद भवन पर हमला करने वाले लोग शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी नहीं थे। वे हथियार लेकर आए थे, ताकि राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों की आधिकारिक पुष्टि रोकी जा सके। बाइडेन ने ट्रम्प की इस बात के लिए भी आलोचना की कि उन्होंने बाद में इस मामले में दोषी ठहराए गए 1500 से अधिक लोगों को क्षमादान दिया।

ट्रम्प का निजी पत्र भी किया सार्वजनिक : पुस्तक में बाइडेन ने ट्रम्प का एक निजी पत्र भी प्रकाशित किया है। यह पत्र ट्रम्प ने जनवरी 2021 में राष्ट्रपति पद छोड़ते समय व्हाइट हाउस के ओवल कार्यालय की मेज पर बाइडेन के लिए छोड़ा था।

ट्रम्प ने बाइडेन के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने से इनकार कर दिया था। वर्ष 1869 में एंड्रयू जॉनसन के बाद यह पहला अवसर था, जब कोई अमेरिकी राष्ट्रपति अपने उत्तराधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुआ। पत्र की शुरुआत '46' संबोधन से हुई थी, क्योंकि बाइडेन अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति बने थे।

ओडिशा-आंध्र प्रदेश के तट से टकराया चक्रवात अकवान चार लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

90 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली हवाएं, तीन राज्यों में भारी वर्षा

नईदुनिया ब्यूरो, भुवनेश्वर/विशाखापत्तनमः चक्रवाती तूफान अकवान शुक्रवार सुबह करीब 7:30 से 8:30 बजे के बीच ओडिशा और आंध्र प्रदेश के बीच गोपालपुर तट से टकराया। इस दौरान हवा की रफ्तार 70 से 90 किलोमीटर प्रतिघंटे तक रही। तूफान के प्रभाव से ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में तेज वर्षा हो रही है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने के कारण तटीय क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। तूफान को देखते हुए ओडिशा में करीब चार लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रभावित लोगों के लिए 9341 राहत शिविर बनाए गए हैं। राहत और बचाव कार्यों के लिए 423 दल तैनात किए गए हैं। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है।



69 रेलगाड़ियां रद्द, 29 के समय में बदलाव

चक्रवात के कारण रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है। पूर्वी रेलवे ने 41 और दक्षिण पूर्व रेलवे ने 28 रेलगाड़ियां रद्द कर दी हैं। इसके अलावा 29 रेलगाड़ियों के समय में बदलाव किया गया है। यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए रेल सेवाओं में आवश्यक बदलाव किए गए हैं।

10 राज्यों में दिख सकता है असर

चक्रवात का प्रभाव देश के 10 राज्यों में देखने को मिल सकता है। तमिलनाडु, पुडुचेरी के अलावा मध्य प्रदेश और झारखंड में भी मौसम बदलने तथा वर्षा होने की संभावना है। तटीय राज्यों में तेज हवाओं और भारी वर्षा के चलते जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोप से यूक्रेन की आर्थिक मदद रोकने को कहा



वाशिंगटन, एजेंसीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोपीय देशों से यूक्रेन को दी जा रही आर्थिक मदद बंद करने को कहा है। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प ने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के कुछ घंटे बाद यूरोपीय नेताओं को फोन किया।

बातचीत में उन्होंने कहा कि रूस शांति समझौते के लिए तैयार है। युद्ध समाप्त होने से यूरोपीय देशों के अरबों डॉलर बचेंगे और लोगों की जान भी बचाई जा सकेगी। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने इस बात से इनकार किया कि ट्रम्प ने यूक्रेन की सहायता बंद करने का सीधा आदेश दिया है। उनका कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने केवल युद्ध समाप्त कराने की अपनी इच्छा जताई थी। ट्रम्प ने चीन के शेनझेन में पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ करीब 90 मिनट तक बैठक की। इस दौरान उन्होंने पुतिन को सार्वजनिक रूप से अपना दोस्त बताया।

थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर 24 नवंबर को जलेगा कार्तिगई दीपम

नईदुनिया ब्यूरो, मदुरैः तमिलनाडु के मदुरै स्थित थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर 24 नवंबर को प्राचीन पत्थर के स्तंभ 'दीपथून' पर कार्तिगई दीपम जलाया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सुब्रमण्य स्वामी मंदिर प्रशासन को इस वर्ष एक बार दीप जलाने की अनुमति दी है।

हालांकि, इस धार्मिक रस्म के लिए केवल मंदिर प्रशासन के सीमित दल और अधिकृत अधिकारियों को ही पहाड़ी पर जाने की इजाजत होगी। आम लोगों के प्रवेश पर रोक रहेगी। न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले के कुछ हिस्सों पर भी रोक लगाई है। फैसले के बाद पहाड़ी के आसपास पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दीपथून पर दीप जलाने को लेकर मंदिर और पहाड़ी के पास स्थित हजरत सुल्तान सिकंदर बदूशा औलिया दरगाह के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। यह स्तंभ दरगाह से करीब 50 मीटर दूर है।

परंपरागत रूप से मंदिर में कार्तिगई दीपम पहाड़ी की निचली ढलान पर बने दीप मंडपम में जलाया जाता रहा है। हिंदू संगठनों की मांग है कि दीप पहाड़ी की चोटी पर स्थित दीपथून पर जलाया जाए। वहीं, दरगाह प्रबंधन निचली ढलान पर दीप जलाने की पुरानी परंपरा का हवाला देता रहा है।

देश के प्रमुख उद्योगों की वृद्धि 13 महीने के उच्चतम स्तर पर, अक्टूबर में 10.9% बढ़ी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः देश के औद्योगिक क्षेत्र के लिए अक्टूबर का महीना उत्साहजनक रहा। आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन से जुड़े सूचकांक में अक्टूबर 2026 के दौरान सालाना आधार पर 10.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह पिछले 13 महीनों में सबसे अधिक वृद्धि है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से 20 नवंबर को जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में यह वृद्धि 8.2 प्रतिशत और अक्टूबर 2025 में केवल 0.8 प्रतिशत थी। प्रमुख उद्योगों का समग्र सूचकांक एक वर्ष पहले के 111 अंक से बढ़कर 123.1 अंक पर पहुंच गया।

अक्टूबर में छह प्रमुख उद्योगों ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की। लौह अयस्क उत्पादन में सबसे अधिक 26.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कोयला उत्पादन 23.1 प्रतिशत और बिजली उत्पादन 21.6 प्रतिशत बढ़ा। सितंबर में कोयला उत्पादन की वृद्धि 10.7 प्रतिशत और बिजली उत्पादन की वृद्धि 12.6 प्रतिशत रही थी। इससे दोनों क्षेत्रों में उत्पादन की रफ्तार तेज होने का संकेत मिला है।

सीमेंट उत्पादन में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। अक्टूबर में इसका उत्पादन 15.4 प्रतिशत बढ़ा, जबकि सितंबर में यह वृद्धि 10.1 प्रतिशत थी। इस्पात उत्पादन में 7.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो सितंबर के 5.6 प्रतिशत से अधिक है। तेल शोधन उत्पादों के उत्पादन में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, सितंबर में यह वृद्धि 8.7 प्रतिशत थी।

प्रमुख उद्योगों की कुल वृद्धि के बावजूद तीन क्षेत्रों का प्रदर्शन कमजोर रहा। अक्टूबर में प्राकृतिक गैस उत्पादन में 7.6 प्रतिशत और कच्चे तेल के उत्पादन में 4.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

पेज एक से जारी खबरों के शेष...

प्रधानमंत्री मोदी ने शंघाई ...

मंच के दौरान पुराना किला में 'अस्तित्व : हमारे अस्तित्व का सार' विषय पर विशेष प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें 1200 ईसा पूर्व से 1200 ईस्वी तक दिल्ली के इतिहास को पुरातात्विक अवशेषों, मूर्तियों, सिक्कों और वास्तुकला के माध्यम से प्रदर्शित किया जा रहा है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसार, पुराना किला क्षेत्र में लगभग तीन हजार वर्षों तक निरंतर आबादी रहने के प्रमाण मिले हैं। यहां मौर्य, शुंग, कुषाण, गुप्तोत्तर, राजपूत, सल्तनत और मुगल काल से संबंधित अवशेष मिले हैं। प्रदर्शनी में मौर्यकालीन मिट्टी की मूर्तियां, राजपूतकालीन वैकुंठ विष्णु की प्रतिमा, गजलक्ष्मी की आकृति, प्राचीन बर्तन, सिक्के और आभूषण भी प्रदर्शित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 18वीं शताब्दी की दुर्लभ महाभारत चित्रित पट्टिका भी आकर्षण का केंद्र है। आयोजन और सुरक्षा व्यवस्था के कारण पुराना किला 18 से 22 नवंबर तक आम पर्यटकों के लिए बंद रखा गया है।

भोपाल में बनी बर्ड फ्लू से ...

उन्होंने वैक्सीन निर्माण के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा अपनाए गए कड़े सुरक्षा नियमों का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार, वैज्ञानिकों को घर पहुंचने पर 120 लीटर पानी से नहाना पड़ता था। अनुसंधान के दौरान घर में पालतू जानवर रखने की भी मनाही थी। शिवराज सिंह चौहान ने वैक्सीन को जल्द बाजार में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके लिए एग्रीनोवेट इंडिया के माध्यम से तकनीक व्यावसायिक उत्पादन के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट के अनुसार, एच5एन1 के इस स्वरूप की यह दुनिया की पहली वैक्सीन है।

राफेल विमानों की संख्या ...

रिपोर्ट सामने आने के बाद पाकिस्तान ने इसे अपने दावे के समर्थन में पेश किया। पाकिस्तान का कहना रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने भारत के चार राफेल विमान मार गिराए थे। वहां के समाचार पत्र डॉन ने भी रिपोर्ट के आंकड़ों को इस दावे से जोड़कर प्रकाशित किया। हालांकि, पाकिस्तान ने अपने दावे के समर्थन में विमानों के मलबे या उपग्रह से प्राप्त प्रमाण प्रस्तुत नहीं किए हैं। भारत के रक्षा अधिकारियों ने अभियान के दौरान विमान खोने की बात स्वीकार की थी, लेकिन उनकी संख्या और प्रकार का खुलासा नहीं किया था। उन्होंने चार राफेल गिराने के पाकिस्तानी दावे को खारिज किया था।

सभी 36 विमानों के लिए मांगा था तकनीकी सहयोगः जून 2026 में भारतीय वायुसेना ने सभी 36 राफेल विमानों के लिए तकनीकी सहयोग और रखरखाव संबंधी सहायता मांगी थी। हालांकि, इससे यह साबित नहीं होता कि सभी विमान एक साथ उड़ान भरने की स्थिति में थे। भारत 114 और राफेल विमान खरीदने की योजना पर भी काम कर रहा है। वहीं, नौसेना के लिए 26 राफेल विमानों का अलग से आदेश दिया जा चुका है।

राजनीति *विदेश में भारत की छवि खराब करने का लगाया आरोप...*

राहुल गांधी को भाजपा ने बताया 'पाकिस्तानी समर्थक'

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान की आलोचना की है, जिसमें उन्होंने भारत को वैश्विक राजनीति में केवल दर्शक बताया था। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सामाजिक माध्यम पर राहुल गांधी को 'पाकिस्तानी समर्थक' बताते हुए आरोप लगाया कि वे विदेश जाकर देश की छवि खराब कर रहे हैं। दरअसल, राहुल गांधी ने बुधवार को अमेरिका के शिकागो विश्वविद्यालय में छात्रों से बातचीत के दौरान कहा था कि भारत जैसे बड़े देश को वैश्विक मामलों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, लेकिन मौजूदा समय में वह अंतरराष्ट्रीय बातचीत में केवल दर्शक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे विवाद में बातचीत कराने में भूमिका निभा रहा है, जबकि भारत इस मामले में पीछे है।



पाकिस्तान से बातचीत पर रखी शर्त

एक पाकिस्तानी छात्र ने राहुल गांधी से पूछा कि क्या भारत और पाकिस्तान अपने मतभेद भुलाकर मिलकर काम कर सकते हैं? इस पर राहुल ने कहा कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देता है। निर्दोष लोगों की हत्या जारी रहने के बीच उससे बातचीत संभव नहीं है। आतंकवाद रुकने के बाद ही बातचीत की संभावना बन सकती है।

चुनाव प्रक्रिया पर भी उठाए सवाल

राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव को अवैध बताते हुए फर्जी मतदाताओं के इस्तेमाल का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ब्राजील की एक महिला के नाम पर विधानसभा चुनाव में 23 बार मतदान किया गया, जबकि वह कभी भारत आई ही नहीं थी। चुनावों के बहिष्कार के सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसा करने से भारतीय लोकतंत्र कमजोर होगा और कांग्रेस ऐसा नहीं चाहती। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल के बयानों पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस को उन्हें विदेश भेजने के बजाय उनका कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रतिरूप भेजना चाहिए। राहुल ने कहा कि भारत में लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहाल करना विपक्ष की प्राथमिकता है। उन्होंने दिल्ली के प्रदूषण पर चिंता जताते हुए कहा कि वायु प्रदूषण के कारण बच्चों को फेफड़ों की बीमारियां हो रही हैं और लोग गंभीर रोगों से प्रभावित हो रहे हैं।